www.sanskritsolutions.com

संस्कृत कथा पूर्ति कक्षा 10 सेट 3

10th Sanskrit Katha Purti CBSE Unseen Passages - Set 3 (Unique Stories) 10 वीं कक्षा के लिए कथा पूर्ति अभ्यास संस्कृत में

सीबीएसई कक्षा 10 संस्कृत की बोर्ड परीक्षा में रचनात्मक लेखन (Creative Writing) के अंतर्गत **संस्कृत कथा पूर्ति** (Class 10th Sanskrit Katha Purti) में पूरे अंक प्राप्त करने के लिए यह हमारा अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण अभ्यास सेट है। हमारे पिछले **सेट 1** और **सेट 2** के बाद, यहाँ **सेट 3** प्रस्तुत है।

इस सेट में हितोपदेश की दो बेहद अनोखी, ज्ञानवर्धक और दुर्लभ कहानियाँ चुनी गई हैं जो छात्रों की तार्किक क्षमता को बढ़ाएंगी। हमेशा की तरह, यहाँ भी **मञ्जूषा (Help Box)** के हिंदी और अंग्रेजी अर्थ, अभ्यास गद्यांश, दोनों भाषाओं में सारांश और सटीक उत्तरमाला दी गई है।

Practice 1: गृध्र-विडाल कथा (The Vulture and the Cat)

मञ्जूषा (Options) & Meanings

संस्कृत पद (Sanskrit Word)	हिन्दी अर्थ (Hindi Meaning)	English Meaning
गृध्रः	गिद्ध	Vulture
अन्धः	अंधा	Blind
आहारम्	भोजन	Food
कोटरे	पेड़ के खोखले (कोटर) में	In the tree hollow
चतुरः	चालाक / बुद्धिमान	Clever / Cunning
धर्मकार्यम्	धर्म का कार्य	Religious work
विश्वासम्	भरोसा / विश्वास	Trust / Faith
शावकान्	पक्षियों के बच्चों को	Chicks / Young ones
नष्टः	मारा गया / नष्ट हो गया	Destroyed / Killed

अस्थीनि	हड्डियाँ	Bones

अभ्यास गद्यांश (Exercise Passage)

एकस्मिन् विशाले वृक्षे एकः वृद्धः **(१) .....** वसति स्म। तस्य नाम 'जरद्गवः' आसीत्। सः अतीव वृद्धः **(२) .....** च आसीत्। अतः वृक्षे स्थिताः अन्ये खगाः दयापूर्वकं तस्मै स्वभोजनात् किञ्चित् **(३) .....** यच्छन्ति स्म। जरद्गवः अपि तत्र वृक्षे खगानां रक्षाम् अकरोत्।

एकाकी जरद्गवः वृक्षस्य **(४) .....** निवसति स्म। एकदा एकः **(५) .....** विडालः (बिलाव) खगशावकान् खादितुं तत्र आगच्छत्। विडालं दृष्ट्वा खगानां शिशवः कोलाहलं अकुर्वन्। जरद्गवः अपृच्छत्- "कः आगच्छति?" विडालः अतीव चतुरः आसीत्। सः मधुरवाण्या अवदत्- "अहं विडालः। अहं तु गङ्गातीरे **(६).....**करोमि।"

वृद्धः गृध्रः तस्य वचनेषु **(७) .....** कृत्वा तं स्वकोठरे स्थानं अयच्छत्। किन्तु सः दुष्टः विडालः प्रतिदिनं रात्रौ खगानां **(८) .....** चोरयित्वा खादति स्म।

अन्ते यदा खगाः स्वशिशून् न अपश्यन्, तदा ते अन्वेषणं कृतवन्तः। विडालः तु पूर्वमेव पलायितः (भाग गया) आसीत्। खगाः वृद्धस्य गृध्रस्य कोटरे **(९).....**अपश्यन्। ते अचिन्तयन् यद् जरद्गवः एव अस्माकं शिशून् अखादत्। अतः क्रुद्धाः खगाः मिलित्वा तं जरद्गवं अमारयन्। एवं सः वृद्धः गृध्रः विडालस्य कारणात् **(१०) .....**।

अतः सत्यमेव उक्तम्- अज्ञातकुलशीलस्य वासो देयो न कस्यचित्।

□ English Summary & Moral

A blind, old vulture named Jaradgava lives in a tree hollow where birds shelter their young. A cunning cat tricks the innocent vulture into trusting his sweet words of piety. The vulture gives him shelter, and the cat starts secretly eating the chicks every night. When the birds find bones in the hollow, they mistakenly blame the old vulture and kill him, while the cat escapes.

- **Moral:** Never blindly trust or shelter anyone without fully knowing their true nature.

□ हिंदी सारांश और शिक्षा

एक विशाल पेड़ के कोटर (खोखले) में जरद्गव नाम का एक अंधा और बूढ़ा गिद्ध रहता था। चिड़ियाँ दया करके उसे अपने भोजन में से हिस्सा देती थीं। एक दिन एक चालाक बिलाव चिड़ियों के बच्चों को खाने आया। उसने अपनी मीठी-मीठी बातों से अंधे गिद्ध का विश्वास जीत लिया और वहीं रहने लगा। वह रोज़ रात को चुपके से चिड़ियों के बच्चों को खाने लगा। जब

चिड़ियों को घोंसले में हड्डियाँ मिलीं, तो उन्होंने समझा कि गिद्ध ने ही उनके बच्चों को खाया है, और सबने मिलकर बेकसूर बूढ़े गिद्ध को मार डाला।

- **शिक्षा:** बिना कुल और स्वभाव जाने किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

✅उत्तरमाला / Answer Key

1. गृध्रः | 2. अन्धः | 3. आहारम् | 4. कोटरे | 5. चतुरः | 6. धर्मकार्यं | 7. विश्वासम् | 8. शावकान् | 9. अस्थीनि | 10. नष्टः

Practice 2: मूर्खः बकः नकुलः च (The Foolish Crane and the Mongoose)

मञ्जूषा (Options) & Meanings

संस्कृत पद (Sanskrit Word)	हिन्दी अर्थ (Hindi Meaning)	English Meaning
एकस्मिन्	एक / किसी एक में	In a / In one
वृक्षस्य	पेड़ के	Of the tree
शिशून्	बच्चों को	Chicks / Young ones
उपायम्	तरकीब / उपाय	Idea / Solution
मत्स्यान्	मछलियों को	Fishes
नकुलः	नेवला	Mongoose
सर्पम्	साँप को	The snake
कोटरे	खोखले (कोटर) में	In the hollow of the tree
अखादत्	खा गया	Ate / Consumed
मूर्खः	बेवकूफ / अज्ञानी	Foolish

अभ्यास गद्यांश (Exercise Passage)

(१) ..... नदीतीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत्। तत्र बहवः बकाः (बगुले) आनन्देन वसन्ति स्म। तस्य एव **(२) .....** अधः एकः कृष्णः (काला) सर्पः अपि एकस्मिन् बिले वसति स्म। सः दुष्टः सर्पः प्रतिदिनं बकानां **(३) .....** खादति स्म। एतेन कारणेन सर्वे बकाः अतीव दुःखिताः आसन्।

एकः वृद्धः बकः सर्पस्य विनाशाय एकं **(४) .....** अचिन्तयत्। सः अन्य बकान् अवदत् - "नदीतटात् कांश्चित् **(५) .....** आनीय नकुलस्य बिलस्य आरभ्य सर्पस्य बिलं यावत् (तक) मार्गे क्षिपन्तु।"

बकाः तथैव अकुर्वन्। तत्र समीपे एकः **(६) .....** वसति स्म। यदा नकुलः बिलेभ्यः बहिः आगच्छत्, तदा सः मार्गे पतितान् मत्स्यान् खादन् सर्पस्य बिलस्य समीपं प्राप्नोत्। बिलस्य अन्तः **(७) .....** दृष्ट्वा नकुलः क्रुद्धः अभवत् तं च अमारयत्। बकाः एतत् दृष्ट्वा अतीव प्रसन्नाः अभवन् यद् तेषां शत्रुः सर्पः मृतः।

किन्तु कथा अत्र एव न समाप्ता। सः नकुलः ततः परं वृक्षे स्थितानां बकानां शिशूनां रोदनं (आवाज़) अशृणोत्। सः वृक्षस्य **(८) .....** प्रविश्य सर्वान् बकशावकान् अपि क्रमशः **(९) .....**। एवं सः **(१०) .....** बकः शत्रुं विनाशयितुं स्वस्य कुलस्य एव विनाशं कृतवान्।

□ English Summary & Moral

A wicked black snake living at the root of a tree repeatedly eats a crane’s young chicks. To eliminate the snake, an old crane lays down a trail of fish from a mongoose's den straight to the snake’s hole. The mongoose follows the trail and kills the snake. However, the mongoose then hears the crying chicks up in the tree, climbs it, and eats all the crane's babies as well.

- **Moral:** When planning a solution to destroy an enemy, always calculate the potential side effects and risks to your own safety.

□ हिंदी सारांश और शिक्षा

एक बरगद के पेड़ पर बहुत से बगुले रहते थे और उसकी जड़ में एक काला साँप भी रहता था जो बगुलों के बच्चों को खा जाता था। एक बूढ़े बगुले ने साँप को मारने की तरकीब सोची। उसने नेवले के बिल से लेकर साँप के बिल तक मछलियाँ बिखेर दीं। नेवले ने मछलियाँ खाते-खाते साँप के बिल तक पहुँचकर साँप को मार डाला। लेकिन बाद में नेवले ने पेड़ के कोटर (खोखले हिस्से) में छिपे बगुले के बच्चों के रोने की आवाज़ सुनी, वह ऊपर चढ़ा और उसने सारे बच्चों को भी खा लिया।

- **शिक्षा:** किसी शत्रु का विनाश करने का उपाय सोचते समय, उससे खुद को होने वाले नुकसान या भावी संकट के बारे में भी सोच लेना चाहिए।

✅उत्तरमाला / Answer Key

1. एकस्मिन् | 2. वृक्षस्य | 3. शिशून् | 4. उपायम् | 5. मत्स्यान् | 6. नकुलः | 7. सर्पम् | 8. कोटरे | 9. अखादत् | 10. मूर्खः

Visit our vebsite www.sanskritsolutions.com for more Study Material